पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में राजभवन में अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम का स्थापना दिवस भव्य रूप से मनाया गया

कार्यक्रम में अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विशेषताओं को दर्शाती डाक्यूमेंट्री का किया गया प्रदर्शन

अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम की विविधताओं पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

देश की परम्पराओं एवं सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है

सैनिक अपने परिवार की चिन्ता किये बिना, अपने कर्तव्य का करते हैं निर्वह्न

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 20 फरवरी, 2025

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता और मार्गदर्शन में आज राजभवन में अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम का स्थापना दिवस भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दोनों राज्यों की समृद्ध विरासत, लोक कला और परंपराओं की झलक प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम के दौरान राजभवन द्वारा तैयार की गई विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया, जिसमें अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की धार्मिक,

सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विशेषताओं को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से उपस्थित गणमान्यजन एवं दर्शकों को इन दोनों राज्यों की समृद्ध विरासत, परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से जानने का अवसर मिला।

राज्यपाल जी ने इस अवसर पर कलाकारों को प्रोत्साहित किया और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से संस्कृतियों का आदान–प्रदान होता है और इनमें पूरा भारत प्रतिबिंबित होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज सभी राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं और सभी राजभवनों में प्रदेशों के स्थापना दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

राज्यपाल जी ने कार्यक्रम में प्रस्तुत डॉक्यूमेंट्री का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक और भौगोलिक विशेषताओं की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि ये दोनों प्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य और संसाधनों से समृद्ध हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि इन प्रदेशों के निवासी नृत्य, गीत और संगीत को बड़े उमंग, उत्साह और भावनाओं के साथ प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यहां के पुरुष और महिलाएं एकजुट होकर सामूहिक नृत्य करते हैं, जो सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

अरुणाचल प्रदेश का जिक्र करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि यहां का प्राकृतिक सौंदर्य अद्वितीय है। सुंदर पहाड़, झरने, और बहता पानी, जिसकी ध्वनि दूर तक सुनी जा सकती है से अपार आनंद प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि यहां जीवन कठिन है, लेकिन सेना द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग और सहयोग से प्रदेश तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के लोगों की मेहमाननवाजी की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने अतिथियों का बहुत सम्मान करते हैं।

राज्यपाल जी ने इस बात को भी रेखांकित किया कि अरुणाचल प्रदेश में शहीदों का सम्मान अनोखे ढंग से किया जाता है और शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की जाती हैं। उन्होंने कहा कि शहीद सैनिक अपने परिवार की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं, और हमें उन्हें कभी नहीं भूलना चाहिए। इस प्रदेश में शहीदों के नाम पर मंदिर और अन्य स्मारक बनाए जाते हैं, जो उनकी वीरता और बलिदान को अमर बनाते हैं।

राज्यपाल जी ने अपने अरुणाचल प्रदेश के भ्रमण के अनुभव भी साझा किए और कहा कि यहां के लोग ईमानदार, अनुशासित एवं सेवा भाव से परिपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रदेश में सामाजिक मूल्य और परंपराएं गहराई से समाहित हैं, और हमें अपने सामाजिक मूल्यों एवं संस्कारों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी लोक नृत्य के पीछे एक इतिहास होता है, जिसे समझने का प्रयास किया जाना चाहिए।

राज्यपाल जी ने निर्देश दिया कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों की परंपराओं एवं संस्कृतियों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की परंपराओं एवं सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने सभी से

आग्रह किया कि वे अपने परिवार और समाज को आगे बढ़ाएं और सदैव खुशहाल रहें।

कार्यक्रम में संस्कृति विभाग, उ०प्र० द्वारा प्रायोजित एवं अरूणाचल प्रदेश के कलाकारों द्वारा रिखम पाड़ा नृत्य, संस्कृति विभाग, उ०प्र० द्वारा प्रायोजित एवं सुरभि शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित अरूणाचल प्रदेश के कलाकारों द्वारा समूह नृत्य–दा दी करा सो ,संस्कृति विभाग, उ०प्र० द्वारा प्रायोजित एवं अरूणाचल प्रदेश के कलाकारों द्वारा लायन नृत्य, संस्कृति विभाग, उ०प्र० द्वारा प्रायोजित एवं सुरभि शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित अरूणाचल प्रदेश के कलाकार द्वारा बांसुरी वादन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रायोजित एवं ओकनारेल कल्चरल टूप, मिजोरम द्वारा प्रस्तुत चेराव नृत्य, संस्कृति विभाग, उ०प्र० द्वारा प्रायोजित एवं सुरभि शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित मिजोरम प्रदेश के कलाकारों द्वारा नृत्य–सिलांग–सिलांग–सिलांग जैसी खूबसूरत प्रस्तुतियां दी गईं।

इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम प्रदेश की विविधताओं पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। राज्यपाल जी ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें दोनों प्रदेशों की महान विभूतियां, खान–पान, परिधान, वाद्य यंत्र, ऐतिहासिक स्मारक एवं प्रसिद्ध स्थानों की झलकियां प्रदर्शित की गईं। साथ ही, रंगोली की कलात्मकता का भी उन्होंने अवलोकन किया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष सचिव श्री श्रीप्रकाश गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी श्री अशोक

देसाई, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ. पंकज एल. जानी, प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत अरूणाचल प्रदेश एवं मिजोरम के विद्यार्थीगण तथा राजभवन के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण शामिल रहे।

संपर्क सूत्र :
डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0: 9161668080

शुभकामनाएं